

सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में 2 लाख नये रोजगारों का नियोजन होगा

वर्ष 2017 के दौरान देश के रोजगार सृजन में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है लेकिन वर्ष 2018 के दौरान देश के औद्योगिक विनिर्माण व सेवा क्षेत्र में व्यापक गतिशीलता देखने को मिल रही है इसके चलते 2 लाख नये रोजगारों का सृजन देश के सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में होने की संभावना है।

आर्टिफिसियल इन्टेलीजेन्स का उपयोग देश में बढ़ रहा है और विशेषज्ञों के कौशल विकास में गतिशीलता से ही देश इस दौर में स्वयं को रोजगार की दृष्टि से सुरक्षित रख सकेगा। निश्चित रूप से ऑटोमेशन तकनीक के उपयोग से शुरुआती स्तर पर रोजगार हानि देखने को मिल सकती है लेकिन मोबाइल औद्योगिक विनिर्माण क्षेत्र, स्टार्टअप्स फिनटेक

जैसे क्षेत्रों में सुधार व डिजिटल व्यवसाय में गतिशीलता के साथ डिजिटাইजेशन में निवेश बढ़ने तथा निवेश वातावरण के स्तर पर सुधार से व्यवसाय के क्षेत्र में आकर्षक वृद्धि होने की संभावना है। यह जानकारी टीमलीज सर्विसेज की महाप्रबंधक अल्फा ढीगंडा ने दी है उन्होंने बताया कि नये नियोजकों के कारण रोजगार सृजन में आकर्षक वृद्धि देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि 20 प्रतिशत अधिक नियोजक कंपनियों के द्वारा वर्ष 2018 के दौरान श्रम नियोजन का कार्य किया जायेगा। उन्होंने कहा कि भारत के सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में 2 लाख नये रोजगारों के नियोजन की वर्ष 2018 के दौरान सम्भावना है। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल इंडिया

की दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा उद्योग को डिजिटल क्षमता योग्य 50 प्रतिशत अतिरिक्त श्रम शक्ति की आवश्यकता होगी तथा इसी सन्दर्भ में वर्ष 2020 तक कुल 2.3 मि. नये रोजगारों के सृजन की संभावना है। इसी अवधारणा का समर्थन करते हुए एडोबे इंडिया के उपाध्यक्ष अब्दुल जनील ने कहा कि नये युग की तकनीक से डिजिटल कार्य स्थल की आवश्यकता बढ़ गई है और इसके लिए कर्मचारियों में उत्कृष्ट अनुभव की भी आवश्यकता होगी। फिक्की व नास्काम की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 तक भारत की 60 करोड़ श्रम शक्ति का 9 प्रतिशत हिस्सा नये रोजगारों से जुड़ेगा।

-वाणिज्य डेस्क